भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री

Bhupesh Baghel
CHIEF MINISTER

मंत्रालय, महानदी भवन
अटल नगर, रायपुर, 492002, छत्तीसगढ़
फोन: +91 (771) 2221000, 2221001
ई–मेल : cmcg@nic.in

Mantralaya, Mahanadi Bhawan,
Atal Nagar, Raipur, 492002, Chhattisgarh
Ph.: +91 (771) 2221000, 2221001
E-mail : cmcg@nic.in

Do.No. 8011 Date: 8/11/2022

प्रति,
निदेशक
प्रवर्तन निदेशालय
नई दिल्ली

विषयः वर्ष 2004 से 2015 के बीच हुए "नान घोटाला" की जांच ई.डी. द्वारा किये जाने संबंधी।

महोदय,

आपको यह विदित है कि छत्तीसगढ़ में वर्ष 2015 में ए.सी.बी. के अधिकारियों द्वारा राज्य नागरिक अपूर्ति निगम, रायपुर के कार्यालय एवं अनेक अधिकारियों के घरों में छापेमारी कर करोड़ों की नकद रकम एवं अनुपातहीन संपत्ति के दस्तावेज जब्त किये गये थे। प्रकरण में ए.सी.बी. के अधिकारियों द्वारा दिनांक 12.02.2015 को 28 आरोपियों के विरूद्ध अपराध कमांक 9/2015 अंतर्गत धारा 109, 120 बी, आई.पी.सी. एवं भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 13(1) डी, 13(2) दर्ज किया गया। प्रकरण की जांच पूर्ण होने के बाद आरोपियों के विरूद्ध आई.पी.सी. की धारा 409 एवं 420 तथा भ्रष्टाचार अधिनियम की धारा 11 भी जोड़ दी गयी तथा प्रकरण में बाद में अत्यंत आश्चर्य जनक ढंग से 28 आरोपियों में से 16 को क्लीन चिट देते हुए दिनांक 06 जून 2015 को रायपुर के विशेष न्यायालय के सामने एफ.आई.आर. में आरोपित 12 तथा अन्य 06 के विरूद्ध चालान पेश कर दिया गया। **(एफ.आई.आर. की प्रति अनुसूची–1 के रूप में संलग्न है।)**

ए.सी.बी. के अधिकारियों द्वारा स्वयं मीडिया को "आफ द रिकार्ड" जानकारियां दी तथा बताया गया था कि "नान" में विगत 10 वर्षों से भी अधिक अवधि में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार जारी था तथा "नान घोटाला" हजारों करोड़ का था। ए.सी.बी. के अधिकारियों द्वारा ही चोरी छुपे मीडिया को यह जानकारी दी गयी कि "नान घोटाले" की जांच में जब्त दस्तावेजों में "सी.एम. मैडम" को भी बड़ी धनराशि प्राप्त होने का उल्लेख है। 10 मार्च 2015 को "इंडियन एक्सप्रेस" के दिल्ली संस्करण के फ्रन्ट पेज की कतरन संलग्न की जा रही है। इस प्रतिष्ठित समाचार पत्र में छपे समाचार में डॉ. रमन सिंह की घोटाले में संलिप्तता का आरोप लगाया गया था। कतरन **अनुसूची–2** के रूप में संलग्न है।

पूरे देश में राज्य में हुए इस घोटाले की गूंज सुनाई दी थी। किन्तु यह आश्चर्य की बात है कि "छोटे–छोटे प्रकरणों" में प्रकरण दर्ज कर त्वरित कार्यवाही करने वाली संस्था ई.डी. द्वारा प्रकरण की जांच हेतु कोई पहल नहीं की गयी।

छत्तीसगढ़ राज्य का बच्चा–बच्चा यह जानता है कि रमन सिंह द्वारा आर्थिक ताकत के बल पर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को इस बात के लिये सहमत कर लिया कि ई.डी. द्वारा न तो प्रकरण दर्ज किया गया और किसी प्रकार की जॉच इत्यादि की कार्यवाही आरंभ की। आज भी राज्य की पूरी जनता "नान घोटाले" के असली दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की अपेक्षा कर रही है।

यह उल्लेखनीय है कि घोटाले के प्रमुख आरोपी शिवशंकर भट्ट तथा उसके पी. ए. के पास से ए.सी.बी. को प्रकरण में एफ.आई.आर. करने तथा छापामारी के दिन ही अनेक दस्तावेज प्राप्त हुए जिनमें वर्ष 2011 से 2014 के बीच विभिन्न जिलों से प्राप्त करोड़ों की अवैध राशि तथा उसमें से सी.एम. सर, मंत्री जी, चेयरमैन सर, एम.डी.सर, तथा अनेक अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों को करोड़ों रूपये दिये जाने के स्पष्ट प्रमाण उपलब्ध थे। **(सी.एम.सर नाम की एन्ट्रीज पृष्ठ– 27, 39, 40, 52, 53, 59, 71, 75, 77, 79, 80, 82 पर, भट्ट से जब्त पन्ने– 113 पृष्ठ)**

डॉ. रमन सिंह के निर्देश पर ए.सी.बी. के तत्कालीन ए.डी.जी. मुकेश गुप्ता द्वारा षडयन्त्र पूर्वक उन दस्तावेजों को जांच से अलग कर "सप्रेस" कर दिया गया। ए.सी.बी. द्वारा एक दशक से जारी हजारों करोड़ घोटाले की फर्जी जांच कार्यवाही कर यह निष्कर्ष निकाला कि "नान" में जून 2014 से भ्रष्टाचार का संगठित तन्त्र विकसित हुआ जिसमें "नान" को मात्र 5.18 करोड की क्षति हुई। यह भी उल्लेख करना आवश्यक है कि "सी.एम. मैडम" को तीन–तीन लाख रूपये प्राप्त होने की दो तिथियां अक्टूबर से दिसम्बर 2014 के बीच की है जिसके बारे में ए.सी.बी. की जार्चशीट में कोई उल्लेख नहीं है। उसी तरह वर्ष 2011 से 2014 के बीच सी.एम. सर, चेयरमैन सर, एम.डी. सर तथा अन्य लोगों को करोड़ों की राशि मिलने के तथ्यों को डॉ. रमन सिंह के निर्देश पर पूरी तरह से गायब कर दिया गया। नान के अधिकारी गिरीश शर्मा के पेन ड्राइव से रिट्रीव डाटा से भी यह बात सामने आयी कि 'सी.एम.सर' को नवंबर दिसंबर 2013 में ही 18 करोड़ 20 लाख रूपये की राशि दी गई थी। इस डाटा को चालान में कहीं भी शामिल नहीं किया गया था। **(वर्ष 2011 से 2014 से संबंधित दस्तावेज अनुसूची–3 के रूप में संलग्न है)**। मुकेश गुप्ता ने नान घोटाले की विवेचना के दौरान स्वयं मीडिया को यह बताया था कि **"इस घोटाले के तार जहां तक पहुंचे है उस डोमेन तक की जांच करना उनके लिये संभव नहीं है"**।

छत्तीसगढ़ राज्य में नवम्बर 2018 में विधानसभा चुनाव हुए जिसमें भा.ज.पा. को करारी हार का सामना करना पड़ा तथा दिसम्बर 2018 में राज्य में कांग्रेस की सरकार बनी। चूंकि डॉ. रमन सिंह को यह एहसास हो चुका था कि चुनावों में उनकी पराजय तय है तब उन्होंने मुकेश गुप्ता पर दबाव डालकर सी.एम.सर, सी.एम. मैडम तथा अन्य अनेक व्यक्तियों के विरूद्ध गोपनीय ढंग से फर्जी जॉच कराके क्लीन चिट दिला दी। यह षड़यंत्र भी चुनावों की मतगणना के समय ही किया गया। मुकेश गुप्ता द्वारा की गयी फर्जी जांच विधि की दृष्टि से प्रथम दृष्टया ही शून्य एवं अवैधानिक है।

इस फर्जी जांच में बताया गया कि सी.एम. सर का आशय नान के एक अधिकारी चिन्तामणि से है अर्थात चिन्तामणि को वर्ष 2011 से 2014 के बीच बड़ी राशि प्राप्त हुई किन्तु चिन्तामणि के विरूद्ध भी कोई कार्यवाही नहीं किये जाने से यह प्रमाणित है कि यह निष्कर्ष भी झूठा था। यह भी उल्लेखनीय है कि मुकेश गुप्ता के परिवार द्वारा बनाये गये ट्रस्ट के माध्यम से 100 रूपये की लागत से रायपुर में एक अस्पताल का निर्माण किया गया है। इस ट्रस्ट में चिन्तामणि भी एक ट्रस्टी है।

ई.डी. द्वारा देर आये दुरूस्त आये की तर्ज पर "नान" प्रकरण की जांच के लिये जनवरी 2019 में ई.सी.आई.आर. दर्ज कर विवेचना आरंभ की गयी(ECIR/RPSZO/01/19)। राज्यवासियों को यह आशा थी कि ई.डी. द्वारा अपनी ख्याति के अनुरूप "नान" में हुए बड़े घोटाले के आरंभ होने से अन्त तक की पूरी अवधि की निष्पक्ष जांच की जायेगी तथा जिन–जिन व्यक्तियों को "नान घोटाले" से बड़ी राशि प्राप्त हुई है उनके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। किन्तु अभी तक जांच की दिशा में हुई प्रगति की कोई जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी है।

यह जगजाहिर है कि वर्ष 2003 तक रमन सिंह मध्यमवर्गीय परिवार से थे तथा उनके पास कुछ पैतृक संपत्ति के अतिरिक्त अन्य कोई संपत्ति नहीं थी। वर्ष 2003 में उनके राज्य के मुख्यमंत्री बनने के बाद उनकी संपत्ति गुणात्मक रूप से बढ़ने लगी। यह भी सभी जानते हैं कि रमन सिंह तथा उनके परिवार के किसी भी सदस्य (पुत्र अभिषाक सिंह सहित) द्वारा कोई व्यवसाय अथवा अन्य आर्थिक गतिविधि का संचालन नहीं किया गया जिससे उनकी संपत्ति में आश्चर्यजनक ढंग से वृद्धि हो सके।

2018 के विधानसभा चुनाव के लिये रमन सिंह द्वारा दाखिल शपथ पत्र में उनकी संपत्ति वर्ष 2008 में 1.04 करोड़ तथा 10 वर्ष बाद अर्थात 2018 में 10.72 करोड़ रूपये होना दर्शाया गया है। 10 वर्षों में बिना कोई व्यवसाय किये किसी की संपत्ति 10 गुना बढ़ना अनेक संदेहों को जन्म देता है। शपथ पत्र की प्रति संलग्न है। इसी तरह रमन सिंह के पुत्र अभिषाक सिंह उर्फ अभिषेक सिंह द्वारा वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में

प्रत्याशी के रूप में दिये शपथपत्र में उनकी कुल संपत्ति 4.40 करोड़ रूपये होना बताया गया है। **(अनुलग्नक–4)**

रमन सिंह एवं अभिषेक सिंह द्वारा घोषित संपत्तियों का यदि स्वंतत्र रूप से मूल्यांकन कराया जाये तो यह स्पष्ट हो जायेगा कि पिता पुत्र द्वारा घोषित चल अचल संपत्ति का वास्तविक मूल्य बहुत अधिक है।

उक्त संपत्तियों के अतिरिक्त अभिषेक सिंह विभिन्न कंपनियों में डायरेक्टर रह चुके हैं जिनका विवरण इस प्रकार है–

S no	COMPANY	FROM	TO	STATUS
01	MUSHIN INFRASTRUCTURE PRIVATE LIMITED CIN: U45209MH2008PTC179121	08-07-2009	25-09-2009	Under Liquidation
02	INTEGRATED TECH INFRA BUSINESS SOLUTIONS PRIVATE LIMITED CIN:U74110MP2010PTC023896	06-07-2010	01-11-2013	Amalgamated with Omega power Infratech Pvt.Ltd. on 28-03-2018
03	CHALET ESTATES PRIVATE LIMITED CIN:U70102HR2011PTC044240	04-11-2011	01-11-2013	Active

अभिषेक सिंह द्वारा गढ मुक्तेश्वर (उत्तराखंड) में करोड़ों का रिसोर्ट खरीदा गया तथा कलकत्ता की कंपनियों से फर्जी एंट्री भी ली गई है जिसकी विस्तृत जांच में करोड़ों की हेरा फेरी प्रमाणित हो जायेगी।

आदरणीय प्रधानमंत्री जी द्वारा दिनांक 03 नवम्बर को जॉच एजेन्सियों को यह स्पष्ट सन्देश दिया गया है कि **"किसी भ्रष्टाचारी को राजनीतिक–सामाजिक शरण न मिले हर भ्रष्टाचारी समाज के कटघरे में खड़ा किया जाना जरूरी है ऐसा वातावरण बनाना जरूरी है"**। प्रधानमंत्री महोदय के जांच एजेन्सियों को दिये गये स्पष्ट एवं कड़े सन्देश से राज्य की 3 करोड़ जनता के मन में फिर से यह आशा जगी है कि डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में लम्बे समय तक जारी "नान घोटाले" के सभी दोषियों के विरूद्ध

अब ई.डी. द्वारा त्वरित एवं सख्त कार्यवाही की जायेगी। मैं यह भी स्पष्ट करना चाहता हूँ कि यदि 15 दिनों में ई.डी. द्वारा जांच में कोई कार्यवाही नहीं की गयी तो न्यायालय में याचिका दायर की जायेगी।

(भूपेश बघेल)
मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

पृष्ठ क्रमांक 8011, A

दिनांक 08/11/2022

प्रतिलिपि :

प्रति

संयुक्त निदेशक
प्रवर्तन निदेशालय
रायपुर

विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी,
माननीय मुख्यमंत्री

AN - 1

(2)

हिन्दी फार्म नं. 1 पृष्ठ क्रमांक

प्रथम सूचना प्रतिवेदन (धारा 154 दं. प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत)
FIRST INFORMATION REPORT (Under Sec. 154 Cr. P.C.)

1. •जिला रायपुर •थाना राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्युरो, रायपुर •वर्ष 2015 •प्र.सू.प.क 09/2015 •दिनांक.12.02.2015
2. (1)•विधान भा.दं.वि. धाराएं 109,120 बी
   (2)•विधान धारा
   (3)•विधान धारा
   (4)•अन्य विधान एवं धराएं भ्र.नि.अ. 1988 13 (1)(डी) सहपठित धारा 13(2)
3. (अ) संदर्भित रोजनामचा सान्हा कं.
   •(ब)घटना का दिन •दिनांक 12.2.2015 के पूर्व से लगातार •समय
   (स) थाने पर सूचना प्राप्त होने का दिनांक दिनांक 12.2.2015 के 13:00 बजे रो.सा. 75/12.02.15
4. सूचना का प्रकार : •लिखत/मौखिक लिखित
5. घटना स्थल : (अ) थाने से दिशा व दूरी करीबन 1 कि0मी0 पूर्व की ओर
   (ब)•घटना स्थल का पता) नागरिक आपूर्ति निगम का मुख्यालय भवन अवंति विहार रायपुर (छ0ग0)
   (स) घटना स्थल अन्य थाना क्षेत्राधिकार है तो थाना
6. अभियोगी/सूचनाकर्ता : (अ) नाम श्री रामकृष्णदुवे निरीक्षक
   (ब)पिता/पति/पालक नाम श्री आर.एस.दुवे
   (स)जन्म दिनांक/वर्ष 54 वर्ष (ड) राष्ट्रीयता भारतीय
   (द)पासपोर्ट नं. जारी दिनांक जारी होने का स्थान
   (क)व्यवसाय नौकरी (ख) पता एन्टी करप्शन ब्यूरो रायपुर छ.ग.
7. ज्ञात/अज्ञात/संदेही/आरोपी का पूर्ण विवरण (आवश्यकतानुसार पृथक पृष्ठ का प्रयोग करें)
   1. शिवशंकर भट्ट, प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम मुख्यालय रायपुर
   2. अरविंद ध्रुव, स्टेनो टायपिस्ट
   3. जीतराम यादव, सीनियर असिस्टेंट
   4. त्रिनाथ रेड्डी, ए.ए.ओ.
   5. कीर्तिकांत बारीक, स्टेनो टायपिस्ट
   6. डी.के.चंद्रवंशी, ए.ओ.
   7. जी.के.देवांगन, ए.ओ.
   8. गिरीश शर्मा, एमडी नॉन का पीए
   9. सतीश कैवर्त, क्यू.आई., केशलूर जिला जगदलपुर
   10. हरीश सोनी, क्यू.आई. कांकेर, जिला कांकेर
   11. क्षीरसागर पटेल, जूनियर टेक्निकल असिस्टेंट, क्यू आई, रायगढ
   12. आलोक चंद्रवंशी, क्यू.आई. राजनांदगांव
   13. हरदीप सिंह भाटिया, प्रभारी क्यू.आई (तकनीकी सहायक), वेयर हाउस धमतरी
   14. एस.के.चंद्राकर, क्यू.आई. रायपुर

सत्यापित प्रति
(एस.डी.देवस्थली)
निरीक्षक इ.ओ.डब्ल्यू / ए.सी.बी
रायपुर (छ.ग.)

12. आलाक चद्रवंशी, क्यू.आई. राजनांदगांव
13. हरदीप सिंह भाटिया, प्रभारी क्यू.आई (तकनीकी सहायक), वेयर हाउस धमतरी
14. एस.के.चंद्राकर, क्यू.आई. रायपुर

15. सुधीर कुमार भोले, ए.ए.ओ. रायपुर
16. विशाल सिन्हा, क्यू.आई, अंबिकापुर
17. योगेश गुप्ता क्यू.आई, प्रतापपुर
18. के. के. यदु, जिला प्रबंधक, बिलासपुर
19. टी.डी.हरचंदानी, जिला प्रबंधक, धमतरी
20. आर.एन.सिंह, जिला प्रबंधक, सूरजपुर
21. एन.के.धुरंदर, डीएओ, महासमुंद
22. डी.के.शर्मा, नॉन वेयर हाउस प्रभारी, बालोद
23. डी.पी.तिवारी, जिला प्रबंधक बालोद
24. संदीप अग्रवाल, कंपनी सेकेटरी, रायपुर
25. डी.एस.कुशवाह, क्वालिटी कंट्रोल असि. मैनेजर रायपुर
26. आर.पी.पाठक, क्वालिटी कंट्रोल, असि. मैनेजर
27. मधुरिमा उर्फ रीमा शुक्ला
28. एवं अन्य

8. अभियोगी/सूचनाकर्ता द्वारा सूचना दिये जाने में विलम्ब का कारण
   सूत्र सत्यापन के उपरांत
9 अपहृत/सम्बद्ध संपत्ति का पूर्ण विवरण (आवश्यकतानुसार पृथक पृष्ठ का प्रयोग करें)
10 *अपहृत/सम्बद्ध संपत्ति का कुल मूल्य
11 *मर्ग/अकाल मृत्यु सूचना कमांक (यदि हो)
12. *प्रथम सूचना विवरण : (आवश्यकतानुसार पृथक पृष्ठ का प्रयोग करें)

मैं राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो रायपुर में थाना प्रभारी/निरीक्षक के पद पर पदस्थ हूँ। मुझे आज निरीक्षक श्री आर0के0 दुबे एन्टीकरप्शन ब्यूरो रायपुर से पुलिस अधीक्षक एन्टीकरप्शन ब्यूरो रायपुर का पत्र कमांक/पुअ/एसीबी/1165/2015 दिनांक 12.02.15 के माध्यम से अपराध कमांक 0/2015 धारा– 109, 120बी, भा0द0वि0 एवं 13(1)डी, सहपठित धारा 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की बिना नम्बरी प्रथम सूचना पत्र थाना राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण/एंटीकरप्शन ब्यूरो रायपुर में प्रस्तुत किया है। उक्त बिना नंबरी नालसी पर मेरे द्वारा नम्बरी अपराध कमांक 09/2015 धारा– 109, 120बी, भा0द0वि0 एवं 13(1)डी, सहपठित धारा 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 पंजीबद्ध किया गया। बिना नम्बरी नालसी की नकल जैल है :– मैं एन्टी करप्शन ब्यूरो, रायपुर छत्तीसगढ़ में निरीक्षक के पद पर पदस्थ हूं कि मुझे नागरिक आपूर्ति निगम मुख्यालय तथा जिलो में पदस्थ जिला प्रबन्धकों एवं क्यु. आई. द्वारा कस्टम मीलिंग के चावल जमा कराने की आड़ में राईस मिलर्स से अवैध रूप से करोड़ो रूपये की धन वसूली करने संबंधी सूत्र सूचना सत्यापन हेतु प्राप्त हुई थी।

AN- 2

NEW DELHI, TUESDAY MARCH 10, 2015

The Indian EXPRESS

JOURNALISM OF COURAGE

NATIONAL NETWORK
Modi turns down Mamata plea on loan relief
PAGE 6

Edit & Op-ed
WHOSE LAND?
PDP-BJP ALLIANCE IN JAMMU AND KASHMIR NEEDS A STEADYING HAND. THE COST OF FAILURE IS HIGH

INTERNATIONAL
Iraq lost chance to kill ISIS chief due to red tape bungle: report
PAGE 12

SPORT
Karnataka in command after KL Rahul, Karun Nair tons
PAGE 20

EXPRESSNewsline ● UBER VICTIM QUESTIONED FOR THIRD DAY, CHALLENGES RECALL ORDER IN SC ● WOMAN KILLS THREE DAUGHTERS, TRIES TO KILL SELF

Modi makes his anger known

MASARAT RELEASE ▮ PM says he 'shares' outrage, Mufti govt didn't consult Centre

EXPRESS NEWS SERVICE
NEW DELHI, MARCH 9

PRIME Minister Narendra Modi ... [illegible]

CONTINUED ON PAGE 8

MASARAT ALAM

His last detention against norms, red flag pre-dated Mufti govt

[illegible]

CONTINUED ON PAGE 2

Memo found in search mentions 'CM Madam,' police say that refers to wife of Food Dept staff

Chhattisgarh PDS rice scam: probe widens as police find a list with names, alleged bribes

ASHUTOSH BHARDWAJ
RAIPUR, MARCH 9

THE Chhattisgarh anti-corruption bureau (ACB), which is probing irregularities in supply of rice for the public distribution system (PDS) ... [illegible]

No guilty, however mighty he might be, will be spared. I am committed to zero-tolerance towards corruption

WILL PROBE ENTIRE PDS, NOT JUST RICE SUPPLY: ACB

[illegible]

CONTINUED ON PAGE 2

BANGLADESH KNOCK OUT ENGLAND, ENTER LAST 8

Bangladesh players celebrate after their 15-run win over England in Adelaide, on Monday

WORLD CUP 2015

Rs 2 LAKH CRORE

[illegible]

REPORT, PAGE 15

DIMAPUR LYNCHING
ASSAM MLA CLAIMS HE WARNED TOP COPS BEFORE MOB RAIDED JAIL
PAGE 2

Business as Usual

Going blind, spare me: Gujarat riot death row convict Babu Bajrangi

AHMEDABAD, MARCH 9

BABUBHAI Patel alias Babu Bajrangi ... [illegible]

BABU BAJRANGI

Haryana to probe land 'released' by Hooda govt to private players

CHANDIGARH, MARCH 9

THE BJP government in Haryana is planning to probe the release of around 16,000 acres of land by the previous Congress regime ... [illegible]

Because children grow up very fast!

-10-

J&K Deputy Chief Minister Nirmal Singh leaves after meeting BJP president Amit Shah in New Delhi on Tuesday.

J&K: Panel to review contentious issues soon

ARUN SHARMA
JAMMU, MARCH 10

TO AVOID the recurrence of controversies like the release of Hurriyat hardliner Masarat Alam in the future, the Mufti Sayeed government will constitute a committee comprising members from both the PDP and the BJP to discuss contentious issues before taking any decision.

Disclosing this, Minister of State for Transport (Independent Charge) Abdul Ghani Kohli on Tuesday called for looking forward, and said: "Let us forget whatsoever has happened in the past and we shall now ensure that no such decision is taken without taking everyone into confidence."

Miffed over the release of Masarat Alam, accused of being the architect of 2010 stone pelting in the Valley, a group of BJP legislators had on Monday registered their formal protest with Chief Minister Mufti Sayeed and asked him to constitute a steering committee comprising senior leaders from both the alliance partners to discuss all contentious issues before the state government takes any decision thereon. They had also demanded the re-arrest of the Hurriyat hardliner.

Meanwhile, the state BJP on Tuesday demanded an inquiry to find the reasons for the delay in the exchange of official communication between the Home Department and the Jammu District Magistrate on detention of Masarat.

"It seems that some intentional lapse on part of some senior officials could have paved way for delay in reviewing of stand on Masarat Alam by the Home Department," party spokesperson Sunil Sethi said. Hardening the party stand on the issue, he demanded the re-arrest of Masarat saying that if he is allowed to roam free it may create law and order problem and cause threat to the security of the nation and people of the state.

Senior BJP leader and Deputy Chief Minister Nirmal Singh was summoned by the party high command in Delhi to discuss the matter. Sethi confirmed that Nirmal Singh was in Delhi to discuss issues relating to Jammu and Kashmir, including the release of the Hurriyat hardliner.

State Finance Minister Haseeb Drabu, who acted as PDP's interlocutor in forging ties with BJP, denied that Masarat was released from jail as the PDP wanted to draw political mileage out of it. "We are following a programme and agenda of the alliance and we followed it in letter and spirit," he said.

AIADMK push for Mufti govt dismissal

PRADEEP KAUSHAL
NEW DELHI, MARCH 10

THE AIADMK made a forceful demand in Lok Sabha Tuesday for the dismissal of the Mufti Mohammad Sayeed government in J&K alongwith a ban on the PDP because of its alleged "anti-national act" of releasing Masarat Alam.

AIADMK floor leader P Venugopal, who raised the issue during zero hour, said: "The Prime Minister and the Home Minister explained the situation about the release of a separatist within a few days of forming PDP-BJP government in J&K." However, he made it clear, "We are not satisfied with the explanation. We want to know what the clarifications sought from the state government are."

Venugopal said that Mufti, "undeterred by the furore created by the release of the separatist, adding insult to injury, directed the DGP of Jammu and Kashmir to release about a dozen more separatists and also several other prisoners".

C'GARH PDS RICE SCAM

Cong wants CM to step down, PM to speak up

EXPRESS NEWS SERVICE
RAIPUR, NEW DELHI, MARCH 10

SLAMMING the BJP government in Chhattisgarh for shielding the PDS rice scam accused, the Congress on Tuesday demanded the immediate resignation of Chief Minister Raman Singh to ensure a free and fair probe and a comprehensive and time-bound inquiry by a judge of either the High Court or the Supreme Court.

Taking note of *The Indian Express* report that named several senior government functionaries as alleged beneficiaries of the scam, state Congress chief Bhupesh Baghel raised the matter in the assembly on Tuesday. He asked the government to reveal the investigation details of the case so far. "Some employees have been suspended. We do not know where they are, what they have revealed. What is this government hiding from us?" he said.

RAMAN SINGH

About the mention of persons close to the Chief Minister Raman Singh as alleged beneficiaries of the scam, Baghel said: "I have always said that Raman Singh is personally involved. He has used PDS system in the state to fund his party's activities for the last 10 years. Be it forged ration cards or commission from rice, they have earned over Rs 1 lakh crore in ten years."

Baghel added: "I no longer trust this state's police. If they can say that "CM Madam" refers to the wife of an ordinary employee, you can imagine their partiality," he added.

"Raman Singh should immediately resign not only on moral grounds because his relatives are involved but also to ensure proper probe. It is now clear that his presence will affect the investigation," he said.

At a news meet in New Delhi, Congress spokesperson Abhishek Singhvi said: "It is pitiable, deplorable. It is something to be ashamed of that the commissions talked about in these documents are paid and received for adulteration of rice by the millers, who will mix bad rice with good rice and supply through the state public distribution system".

The Congress also asked the PM to speak on the issue. "We believe the PM who has repeatedly said zero tolerance for corruption will not answer us with his eloquent silence again," Singhvi said. *The Indian Express* has reported that while there are several references to the persons close to Raman Singh in the seized papers as alleged beneficiaries, the state police has defended the CM.

Bank of Baroda

Pay Your Taxes Online

- Pay Income Tax / Customs Duty / Excise Duty / Service Tax / VAT / CST etc. - free of charge
- Log on to www.bankofbaroda.co.in for online payment facility
- All our account holders having Baroda Connect facility can pay Direct / Indirect Taxes and VAT* / CST* (*in states where our Bank is authorised)
- All our Branches can make e-payments on behalf of the tax payers
- Pay taxes physically at any of our 900+ authorised branches**
- Quoting of PAN / TAN or assessee code in challan is mandatory
- You can also pay direct tax through our Bank's ATMs

** List of authorized branches is available on our website (www.bankofbaroda.co.in)

NOTICE

Draw of flats earmarked for EWS category being developed by Raheja Developers Ltd., in the following licensed Group Housing Colonies:

1. Group Housing Colony in Sec-108, Gurgaon

ty,
ur
th

lam's

ister
orrect
se

ine flu tip:
ndshakes

AN-3

(7)

-10-14	15000 देवांगन जी
-10-14	10000 गजभिये जी
1-10-14	10000 अंसारी जी
-10-14	10000 सोनू कुसरे जीएडी
-10-14	2500 कमल वासनिक
-10-14	10000 संतोष तिवारी
-10-14	6000 संतोष तिवारी
2-10-14	5000 अंसारी जी स्टाफ के लिए
-10-14	50036 किराना सामान एवं अन्य बिल
-11-14	22000 संतोष तिवारी घर पर दिया
11-11-14	26557 शुक्ला सर का एयर किराया
-11-14	10000 मिश्रा जी
11-11-14	10000 देवांगन जी
-11-14	5000 अंसारी जी
-11-14	5000 ओझा
12-11-14	25000 वाल्मिकी साहू
-11-14	15000 संतोष तिवारी, नर्सरी पेमेंट
24-11-14	10000 संतोष तिवारी, बिल नही दिया
24-11-14	2500 बहादुर को मोबाईल
	30000 सर का मेदान्ता का बिल जमा कराया
04-12-14	15000 संतोष तिवारी
-12-14	80000 संतोष तिवारी एसी मीटर एवं अन्य
-12-14	300000 चंद्राकर जी ने जो सीएम मैडम को दिया था उसे वापिस को दिए 3 ✓
06-12-14	15000 ओएस चौरसिया का बिल मेदीतान मे जमा कराया
-12-14	25000 कमलेश जैन एडवोकेट को पंचशील नगर मे दिए
09-12-14	13000 पीएस सर के मोबाईल को दिए सहा पैसा को कुल 53
-12-14	11000 पी कुमार के यहाँ शादी मे
-12-14	12000 संतोष तिवारी शुक्ला सर के हिसाब के लिए एवं विकासशील साहब का टेलीफोन बिल
19-12-14	11366 सलूजा जी के घर पर गाडी लगवाई ।
-12-14	10000 कांच का समान लेकर आए घर के लिए शुक्ला जी का
-12-14	10000 श्री देवांगन जी को पीएस टू सीएस
26-12-14	30000 संतोष तिवारी को दिए 25 का हिसाब दिया
-12-14	2300 एप्पल का कम्प्यूटर दिया
26-12-14	11366 प्रभ ट्रेवल को दिये श्री बलवंत सलूजा जी के घर पर गाडी लगी
26-12-14	8500 इंडियन ट्रेवल मंत्री जी के स्टाफ को भुगतान किया ।
-12-14	13775 सतगुरू ट्रेवल को श्री बलवंत सलूजा जी के घर पर गाडी लगी का भुगतानकिया
26-12-14	10000 आफिस मे संतोष तिवारी को दिया 5
[illegible]-12-14	10000 नवनीत सिंगर का भुगतान
[illegible]-12-14	10000 देवांगन जी मंत्रालय
04-01-15	58000 संतोष तिवारी बिल प्राप्त
-01-15	5000 अंसारी जी
09-01-15	35000 शुक्ला सर मोबाईल 128 जीबी 77 मे से 42 मोबाईल के प्राप्त
[illegible]-01-15	31915 मंत्री जी का 4 इन्नोवा का किराया सतगुरू ट्रेवल
-01-15	33800 शुक्ला सर का एयर टिकिट 33800
15-12-15	95500 सर का आफीसर सिविल सर्विसेज का लाईफ टाईम सदस्यता शुल्क
-01-15	20000 मिश्रा जी मंत्रालय घर पर दिए
16-01-15	10000 पिंडोरे जी मंत्री जी के पीए

सत्यापित प्रति
(एस.डी.देवस्थले)
निरीक्षक ई.ओ.डब्ल्यू. / ए.सी.बी.
रायपुर (छ.ग.)

12/2/15

सत्यापित प्रति
[redacted]

गवाह (1) 12/2/15

Ajosh
12/04/2015
Dy. S.P. EC
Raipur

Sheet1 Sheet2 Sheet3

Expenses Dt 1-11-13 to 10-12-13			
1	CM Sir	01.11.13	2.00
2	CM Sir	06.11.13	0.50
3	CM Sir	07.11.13	0.50
4	CM Sir	09.11.13	0.50
5	CM Sir	18.11.13	0.30
6	CM Sir	20.11.13	0.50
7	CM Sir	21.11.13	0.50
8	CM Sir	22.11.13	0.20
9	CM Sir	22.11.13	0.50
10	CM Sir	27.11.13	0.50
11	CM Sir	02.12.13	1.00
12	CM Sir	04.12.13	2.00
13	CM Sir	05.12.13	1.00
14	CM Sir	06.12.13	5.00
15	CM Sir	07.12.13	0.10
16	CM Sir	07.12.13	2.00
17	CM Sir	09.12.13	1.00
18	CM Sir	10.12.13	0.10
			18.20

-13-

AN 4

myneta.info National Election Watch

Search Advanced search

ASSOCIATION FOR DE

Home About Myneta About ADR Lok Sabha Rajya Sabha Political Parties Partners Contact Us Donate FAQs Term

॥माय नेता हिंदी मे॥

About 43% of the MPs in Lok Sabha 2019 have Self declared criminal cases against them

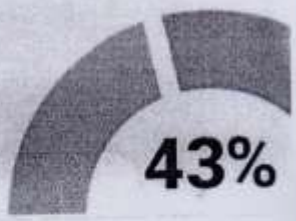

Home→Chhattisgarh 2013→RAJNANDGAON→RAJNANDGAON→RAMAN SINGH(Criminal & Asset Declaration)

Chhattisgarh 2013

RAMAN SINGH (Winner)

RAJNANDGAON (RAJNANDGAON)

Party:BJP
S/o|D/o|W/o: Shri Vighn Haran Singh
Age: 61
Name Enrolled as Voter in: 72 Kawardha, Chhattisgarh (Chhattisgarh) constituency , at Serial no 13 in Part no 221
Self Profession: Social Worker, National subsequent
Spouse Profession: Social Worker

Print Profile

View Candidate Election Expenses

Other Elections		
Declaration in	**Declared Assets**	**Declared Cases**
Chhattisgarh 2018	Rs10,72,34,236 ~10 Crore+	0
Chattisgarh 2008	Rs1,04,85,628 ~1 Crore+	0

Click here for more details

Crime-O-Meter

No criminal cases

Assets & Liabilities

Assets:**Rs 5,61,64,496** ~5 Crore+

Liabilities:**Rs 30,70,031** ~30 Lacs+

Educational Details

Graduate Professional

school- Khairagarh and Kawardha Government School, BSC From Government Science University, Bemetara in 1972, BAMS, Ayurvedic University, Raipur in 1975

14

Loksabha 2014

Abhishek Singh (Winner)

RAJNANDGAON (CHHATTISGARH)

Party:BJP
S/o|D/o|W/o:
Dr.Raman Singh
Age: 33
Name Enrolled as Voter in: 6 Rajnandgaon (Chhattisgarh) constituency , at Serial no 18 in Part no 221
Self Profession: Social Worker, Managing Trusty , Sudha devi Trust & Primary School Karvdha,District Kabirdham
Spouse Profession: Social Worker

Print Profile

View Candidate Election Expenses

Crime-O-Meter

No criminal cases

Assets & Liabilities

Assets:**Rs 4,40,93,207** ~4 Crore+

Liabilities:**Nil**

Educational Details

Graduate Professional

10th Pass From Saraswati Senior Secondary School Karvdha in 1996, 12th Pass From Mahrishi Vidhya Mandir ,Bhopal, In 1998, B.E Pass From Government College , Raipur C.G in 2003, Post Greduation Diploma In Personal Management & Indrustrial Relations, XLRI

Details of PAN and status of Income Tax return

Relation Type	PAN Given	Financial Year	Total Income Shown in ITR
self	Y	2012 - 2013	**Rs 19,89,477** - 19 Lacs+
spouse	Y	2012 - 2013	**Rs 1,86,517** - 1 Lacs+
dependent1	Y	2012 - 2013	**Rs 4,73,925** - 4 Lacs+
dependent2	N	None	**Rs 0** -
dependent3	N	None	**Rs 0** -

Data Readability Report of PAN and Income Tax : No Problems in Reading Affidavit Information

-

15